...ाँ तेरे आंखों की छलकती मय पर
...नी थी पराई तो नहीं माँगी थी
कैद माँगी थी....

८

अपने बीमार पे इतना भी सितम ठीक नहीं
तेरी उल्फ़त से जुदाई तो नहीं माँगी थी
कैद मांगी थी... ०

❀ छपकर तैयार हैं —

○ सही और पूरे गाने.
○ हर दूसरे माह नया भाग.

❀ हिट फिल्मों का संगीत भाग १६
❀ नवीन सिनेमा संगीत भाग २७

सरदार त्रिलोचनसिंह बुक सेलर *

४३. सर्वते बस स्टेण्ड, इन्दौर १

प्रकाशक-सरदार त्रिलोचनसिंह बुक सेलर
४३, सरवटे बस स्टेन्ड इन्दौर १

जब प्यार किसी से होता है

कीमत

२५ पैसे

❀ नासिर हुसैन फिलमस ❀

जब प्यार किसी से होता है

कलाकार-देव आनन्द, आशा पारेख, सुलोचना मुबारक

निर्देशक—नासिर हुसैन संगीत-शंकर जयकिशन

गीत-हसरत व शैलेन्द्र

सरदार त्रिलोचनसिंह बुक सेलर इन्दौर-१

---

१ रफी व लता-

बिन देखे और बिन पहचाने
तुम पर हम कुर्बान मोहब्बत इसको कहते हैं २
गर तुम पर ना मरते तो जीना था आसान
मोहब्बत इसको कहते हैं २
चाहत के सन्देशे लेकर आती है हर शाम
गर तुम भी आ जाते तो आ जाता आराम
दिल की बस्ती बस ही जाती
मेरी हर धड़कन ये गाती
तुम आते तो मुझ पर होता कितना बड़ा एहसान
बिन देखे....
होठों पे हैं हरदम तुम्हारा प्यारा नाम
फिर भी चुप रहता हूं मैं अपने दिल को थाम
मेरी तुम्हारी प्यार की बातें
खुल न जाये राज की बातें

मानो न मानो प्यार छुपाना इतना नहीं आसान
बिन देखे....
बेकल मेरे अरमाँ बेकल हैं मेरा प्यार
कब से मेरी बाहें सूनी जीवन की ये राहें सूनी
तुम बिन कैसे पूरे होंगे दिल में बसे अरमान
बिन देखे....

२ लता—नजर मेरे दिल के पार हुई
देखो न ऐसे देखो मेरी हार हुई
वही जानता है के दर्द क्या है
कभी भूल से जिसने दिल खो दिया, दिल खो दिया....
नज़र मेरे दिल के पार हुई
निगाहें मिली और वो मुस्कराए
बस इतने में सब हो गया हाय हाय
हाय ये क्या हो गया.... नजर मेरे दिल के पार....

३ लता—तुम जैसे बिगड़े बाबू से मैं अँखिया बचाऊं
थिन गिन थिन गिन नाचूं
और दुनिया को नचाऊं तुम जैसे....

आंखों में मधुशाले रंग भरे ये प्याले
चन्दा सूरज दोनों मेरे कानों के हैं बाले
अपने आपको क्या समझो हों बाबू ओ बाबू....
तुम जैसे बिगड़े बाबू से मैं अखियाँ बचाऊं थिन....

मूख पे लट लहराए धन बदरा शरमाए
नील गगन का बाँका राही पायल बाँधने आए
अपने आपको क्या समझो हो बाबू ओ बाबू....
तुम जैसे बिगड़े बाबू से मैं अखियां बचाऊं

४ रफ़ी व लता

रफी–ये आँखे उफ युम्मा ये सूरत उफ़ युम्मा
प्यार क्यों न होगा ये अदाए उफ युम्मा
लता–ये आँखे उफ युम्मा ये धड़कन उफ युम्मा
कैसे दिल को रोकूं कोई थामें उफ युम्मा
रफी–तुम दिल हो दिलरूबा हो
तुम पर जहाँ फिदा हो
हम तो हैं क्या कुछ भी नहीं
तुम सा हँसी कोई नहीं
तुम तो चांद का टुकड़ा हो
ये शोखी उफ युम्मा ये शरारत उफ युम्मा
लता–कब तक रहूं छुपाए सीने में आग हाए
जलने लगा ये सारा बदन
समझो जरा ये दिल की लगन
तुम जो मिलो चैन आ जाए
ये उमगे उफ युम्मा ये तरंगे उफ यूम्मा.
रफी–आंखों का ये नशा है दिल जिसमें झूमता है
झुमें जमीं घूमें गगन तेरा असर है जाने चमन
तुम तो प्यार का सपना हो
ये काजल उफ़ युम्मा ये चिलमन उफ युम्मा

५ रफी व लता–

जिया हो ऽऽ जिया हो जिया कुछ बोल दो
अरे हो ऽऽ दिल का परदा खोल दो
अहाऽ हाऽ अहा ऽ हा
जब प्यार किसीसे होता है तो दर्द सा दिल में होताहै
तुम एक हसीन हो लाखों में
भला पा के तुम्हे कोई खोता है जिया होऽऽ....
नजरों से जितने तीर चले चलने दो जिगर पर झेलेगे
इन प्यार की ऊजली राहों पर
हम जान की बाजी खेलेगे
इन दो नैनों के सागर में कोई दिल की नैया डूबोत
जिया होऽ....

आंखों में तो इस आग में जलते हो
चन्दा से बयाँ हो जाता है
हर बात पे आहें भरते हो हर बात पे दिल थर्राता हैं
जब दिल पे छुरियाँ चलती है
तब चैन से कोई सोता है जिया हो....

६ लता व रफी–
रफी–सौ साल पहले, मुझे तुमसे प्यार था २
आज भी है और कल भी रहेगा
लता–सदियों से तुझसे मिलने जिया बेकरार था
आज भी है और कल भी रहेगा
रफी–तुम रुठा न करो मेरी जां
मेरी जान निकल जाती है
तुम हँसती रहती हो
तो इक बिजली सी चमक जाती है
मुझे जीते जी ओ दिलबर
तेरा इन्तजार था आज भी है और कल भी रहेगा
सौ साल....
लता–इस दिल के तारों में मधुर झन्कार तुम्ही से है
और ये हसीन जलवा ये मस्त बहार तुम्ही से है
दिल तो ये मेरा सनम तेरा तलबगार था

आज भी है और....
रफी–इन प्यार की राहों में
कहो तो अब दिल को लुटा दूं मैं
और चाँदी से सपनों में धड़कते दिल को बिछा दूँ मैं
तुझे मेरे जीवन पर सदा इख्तियार था
आज भी है और....

७ कोरस–सीतो पीतो सीतो रीतो पीतो रे पा पा जा
लता–रीतो सीतो पीतो सोतो
ऐ हल्ले हब्बा सीतो रीतो पीतो
कोरस–ऐ हल्ले हब्बा सीतो रीतो पीती
लता- वल्ला वल्ला २ रीतो पीतो सीतो
जाने बहार अस्सलाम जाँ भी निसार अस्सलाम
वल्ला-४
कोरस-सीतो पीतो रीतो सीतो रीतो पीतो रे पा पा जा

८ रफी–तेरी जुल्फों से जदाई तो नहीं माँगी थी
कैद माँगी थी रिहाई तो नहीं माँगी थी तेरी....
मेंने क्या जुर्म किया आप खफा हो बैठे
प्यार माँगा था खुदाई तो नहीं माँगी थी
कैद माँगी थी....